ROHTAS MAHILA College SASARAM
Department of History - Subsidiary
15-05-2020 - B.A-I [2019-20]
Dr. Satyajeet Sarang [Notes]

अशोककालीन गुफाएं

⇒ बिहार में गया जिला के अंतर्गत बराबर की पहाड़ियों में ऐसी गुफाएं बनवाई गई जहां से अशोक के अभिलेख भी मिले हैं। पहली गुफा [न्यग्रोध - गुहा या सुदामा - गुहा] अशोक के 12 वें राजवर्ष की है दूसरी गुफा [विश्व-झोपड़ी - गुहा] भी [अभिषेक 12 वर्षों के बाद आजीवकों को दी गई। उद्देश्य से दी गई थी।

⇒ गुफाओं की निर्माण ⇒ शैली बौद्ध शैली से मिलती - जुलती है। बाद में अशोक के पुत्र दशरथ ने भी नागार्जुनी [गया जिला] की पहाड़ियों में 3 गुफाएं बनाकर आजीवकों को दान में दी थी।

अशोक - स्तंभ

अशोक के स्तंभ ईरानी व यूनानी कला से प्रभावित है।
अशोक के लाट पर जिस प्रकार की पशुआकृतियां हैं, वह हड़प्पा की पशुआकृतियों की परंपरा में है।
वे यह भी मानते हैं कि पत्थर पर चमकदार पॉलिश करने की कला भारत में ईरानी संपर्क के पहले से ज्ञात थी।

इसका एक प्रमाण काली मिट्टी के बर्तनों का पॉलिश कर चमकदार बनाने की प्रक्रिया में ढूंढा जा सकता है। पुनः ईरानी स्तंभ जहां नालीदार है और प्रस्तर खंडों के जोड़ने से बने हैं वहीं अशोक के लाट सपाट और एक ही पत्थर से बने हैं।

दोनों स्तंभों के घंटाव अलंकरण में भी अंतर है।

धार्मिक अवस्था

यज्ञ व बलि की प्रथा अब भी प्रचलित थी। विभिन्न संस्कारों के पालन वर्ण व आश्रम व्यवस्था की पवित्रता को बनाए रखने पर बल दिया जाता था।

अर्थशास्त्र में देवताध्यक्ष नामक पदाधिकारी का उल्लेख मिलता है, जो मंदिरों और देवमूर्तियों की देखभाल करता था। मंदिरों में पूजा, उत्सव तथा मेले लगा करते थे।

देवताओं के सहयोगियों के रूप में यक्ष - यक्षी की भी पूजा होती थी। भूत-प्रेत, जादू-मंतर का भी प्रभाव था वृक्ष-पूजा व नाग-पूजा भी प्रचलित थी।

मौर्य साम्राज्य के पतन के कारण

अशोक के बाद अगले 50 वर्ष तक उसके उत्तराधिकारियों का कमजोर शा